वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

शुक्रवार, पौष कृष्ण पक्ष, द्वितीया, कलियुग वर्ष ५१२२ (१ जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

२ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपरजाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-02012021

देव स्तुति

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा पूजिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

अर्थ : जो कुन्दके फूल, चन्द्रमा, हिम (बर्फ) और मोतियोंके हारके समान श्वेत हैं, जो शुभ्र वस्त्र धारण करती हैं, जिनके हाथ उत्तम वीणासे सुशोभित हैं, जो श्वेत कमलासनपर बैठती हैं, ब्रह्मा, विष्णु, महेश आदि देव जिनकी सदा स्तुति करते हैं

और जो सब प्रकारकी जडता हर लेती हैं, वे भगवती सरस्वती मेरा पालन करें !

शास्त्रवचन

स्वर्गार्थीया व्वसितिरसौ दीनयत्येव लोकान्
मोक्षापेक्षा जनयति जनं केवलं क्लेशभाजम् ।
योगाभ्यासः परमविरसस्तादृशैः किं प्रयासैः
सर्व त्यक्त्वा मम तु रसना कृष्ण कृष्णेति रौतु ॥

अर्थ : स्वर्गकी प्राप्तिके लिए जो व्यवसाय (निश्चय अथवा उद्योग) है, वह लोगोंको दीन ही बनाता है । मोक्षकी जो अभिलाषा है, वह मनुष्यको केवल क्लेशका भागी बनाती है और योगाभ्यास तो अत्यन्त नीरस वस्तु है । अतः वैसे प्रयासोंसे मेरा क्या प्रयोजन है ? मेरी जिह्वा ! तू तो सब कुछ छोडकर केवल कृष्ण, कृष्ण ही रट लगाती रह ।

****

ब्रह्माण्डानामं कोटिसंख्याधिकानामैश्वर्य यच्चेतना वा यदंशः ।
आविर्भूतं तन्नमहः कृष्णनाम तन्मे साध्यं साधनं जीवनं च ॥

अर्थ : करोडों ब्रह्माण्डोंसे अधिक जिसका ऐश्वर्य अथवा जिसकी चेतना है, सारे ब्रह्माण्ड जिसके अंशमात्र हैं, वही तेजपुञ्ज 'कृष्ण' नामके रूपमें प्रकट हुआ है । वह कृष्ण नाम ही मेरा साध्य, साधन और जीवन है ।

धर्मधारा

१. आजकल माता-पिता अपने बच्चोंको अल्पायुमें ही प्रसिद्धि दिलाने हेतु भिन्न प्रकारकी प्रतियोगितामें उत्तीर्ण करने हेतु, उन्हें नृत्य और संगीतमें प्रवीण करते हैं; किन्तु इससे

बच्चोंका बालपन नष्ट हो जाता है। अल्पायुमें ही उनपर तनाव आ जाता है जो आयु, खलेने, खाने और उधम-चौकडी करनेकी होती है, उसमें वे सम्पूर्ण दिवस भिन्न प्रकारकी प्रतियोगिता जीतने हेतु अभ्यास करते रहते हैं । वस्तुत: पालकोंको यदि अपने बच्चोंको यशस्वी करना है तो उन्होंने अपने बच्चोंमें अच्छे गुणोंको आत्मसात करवानेका प्रयास करवाने चाहिए, इससे वे बच्चे जिस भी क्षेत्रमें जाएंगे, यश उन्हें मिलेगा ही और उनका बाल्यकाल आनन्दमें बीते, यह देखना माता-पिताका धर्म है।

****

२. नामजपकी परिणामकारकताको कैसे बढाएं ? (भाग-४)

कुछ साधक कहते हैं कि नामजप करते समय मन एकाग्र नहीं होता है। मनके न एकाग्र होनेके दो मुख्य कारण होते हैं एक तो मनमें अनेक संस्कारोंका होना और दूसरा वास्तुका अशुद्ध होना। मनके संस्कारोंको न्यून करनेमें समय लगता है और वह साधनारूपी नित्य अभ्याससे ही साध्य हो सकता है। किन्तु वास्तुको हम अवश्य ही शुद्ध कर सकते हैं। इस विषयमें हम आपको धर्मधाराके सत्संगों तथा अपने लेखोंके माध्यमसे अनके तथ्य बता ही चुके हैं; अतः नामजप करनेसे पूर्व जिस कक्षमें आप नामजप करने जा रहे हैं वहां स्वच्छताकर, उसकी वास्तुशुद्धि करेंगे तो आपको नामजपमें अवश्य ही कुछ सुधार अनुभव होगा। साथ ही अपने घरके मन्दिरमें या प्रातः खुले आकाश व उगते सूर्यके संरक्षणमें नामजप करनेसे भी एकाग्रता वृद्धिमें सहायता मिलती है। साथ ही यदि आपके पास समय हो तो आपके अपने निकटके कोई सिद्ध देवस्थानमें या अपने गुरुके आश्रममें भी जाकर भी जप कर सकते हैं, इससे भी

आपके ऊपर आध्यात्मिक उपचार होगा और आपका मन एकाग्र होगा।

****

३. शंका समाधान

मैं अपने गुरुकी आजीवन सेवा करना चाहता हूं। मैं विवाह नहीं करना चाहता हूं; किन्तु मेरे श्रीगुरु ने मुझे विवाह करनेका आदेश दिया है ? ऐसेमें मैं क्या करूं ? यह द्वन्द्व मेरे मनमें रहता है, मेरी इच्छा है कि यदि विवाह हो तो पत्नी भी मेरे समान आजीवन मेरे श्रीगुरुकी सेवा करे ! क्या यह सम्भव है ? - एक साधक

उत्तर : आपका भाव बहुत अच्छा है। आपके गुरुने यदि विवाह करनेके लिए कहा है तो निश्चित ही इसमें आपका ही कल्याण निहित होगा।

विवाह होना या न होना यह प्रारब्ध अनुसार होता है, सामान्यतः गुरु इसमें हस्तक्षेप नहीं करते हैं; क्योंकि यदि विवाह होना निश्चित हो और गुरुके कहनेपर भी यदि साधक ऐसा नहीं करता है तो साधनाका व्यय उस प्रारब्धको न्यून करनेमें हो जाता है, इससे आध्यात्मिक प्रगति अवरुद्ध होती है। साथ ही संन्यास या पूर्ण समय साधनाके लिए हमारा आध्यात्मिक स्तर न्यूनतम ५०% होना ही चाहिए, यह भी एक कारण हो सकता है कि आपके गुरुने आपको विवाह करने हेतु कहा है।

आपकी पत्नी आपके गुरुकी भक्त होंगी, यह भी आपके प्रारब्धपर और आपकी गुरुभक्तिपर निर्भर करता है। आप आर्ततासे अपने गुरुको प्रार्थना करते रहे, भक्तवत्सल गुरु आपकी इच्छा अवश्य पूरी करेंगे।

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

वाणी ही सर्वश्रेष्ठ साधन

गुरुकुलमें सभी छात्र मिल-जुलकर पढाई करते थे। एक बार उनके आचार्यने उन्हें एक गुटचर्चाका विषय दिया, जिसपर सबको मिलकर उस चर्चामें सम्मिलित होना था।

चर्चाका विषय था : इस संसारमें सबसे शक्तिशाली वस्तु अथवा माध्यम क्या है ?

कई घण्टे व्यतीत हो गए; परन्तु शिष्य अभी भी चर्चामें ही लगे हुए थे। वे सभी उलझनमें थे और अब जब कोई निर्णय नहीं निकला तो वे सभी अपने आचार्यजीके पास गए और निराश मनसे उन्होंने, उनके सामने अपना सिर झुका दिया।

सभी छात्रोंको ऐसा देखकर आचार्य बहुत ही क्रोधित हुए और कहा, "अब यहां किसलिए आए हो, मेरा समय व्यर्थ मत करो और यहांसे चले जाओ।"

आचार्य बहुत ही शान्त स्वभावके थे, उनका ऐसा व्यवहार देखकर सभी शिष्य चौंक पडे और वे सभी वहांसे जानेके पश्चात अपने आचार्यकी आलोचना करने लगे। किसीने कहा, "हमारे आचार्य बहुत बुरे हैं, उन्हें ऐसी बातें नहीं करनी चाहिए।" तो किसीने कहा, "वे हमारे गुरु बननेके योग्य नहीं है, कोई अपने शिष्यपर ऐसे चिल्लाता है।"

कुछ समय बीत जानेके पश्चात आचार्य अपने शिष्योंके मध्य पहुंचे और बोले, "शिष्यो ! तुम सब कितने श्रेष्ठ हो, जो अवकाशके दिवस भी एकसाथ मिलकर चर्चा कर रहे हो। मुझे तुम सभीपर गर्व है।"

सभी शिष्योंके मुखपर मुस्कराहट थी; क्योंकि अपनी प्रशंसा प्रत्येक किसीको प्रिय लगती है।

इसके पश्चात गुरुजीने सभी शिष्योंको समझाते हुए कहा, “प्रिय शिष्यो, आजका मेरा व्यवहार आप सबको ठीक नहीं लगा होगा; परन्तु यह मैंने जानबूझकर किया था । जब मैं तुमपर क्रोधित हुआ तो तुम सबने मेरी आलोचना की; परन्तु जब मैंने तुम्हारी प्रशंसाकी तो तुम सब प्रसन्न हो गए ।"

सही अर्थमें, वाणीसे बढकर इस संसारमें और कोई भी शक्तिशाली साधन अथवा नहीं है । इसलिए प्रत्येक व्यक्तिको सोच समझकर अपनी वाणीका प्रयोग करना चाहिए ।

सभी शिष्योंको अपने आचार्यसे आज एक बहुत ही अच्छी सीख मिली थी ।

घरका वैद्य

गुड (भाग-६)

गुडका उपयोग रक्तकी कमीमें : इसमें 'आयरन' (iron) और 'फोलेट' (folate) होता हैं, जो लाल रक्त कोशिकाओंका स्तर, सामान्य बनाए रखनेमें सहायता करते हैं और 'एनीमिया'को रोकते हैं । इसका सेवन करना गर्भवती महिलाओंके लिए विशेष रूपसे लाभदायक रहता है । इसके अतिरिक्त, गुड शरीरको तुरन्त ऊर्जा प्रदान करनेमें भी सहायता करता है । यदि आपके शरीरमें रक्तकी न्यूनता है तो आप प्रतिदिन गुडका सेवन कीजिए । इससे आपकी रक्तकी कमी न्यून होगी और शरीरमें लाल रक्त कोशिकाओंकी मात्रा बढेगी ।

गुडका लाभ रक्तचापके लिए : गुड एक ऐसी लाभदयाक औषधि है जो आपके रक्तचापको नियन्त्रणमें रखती है । साथ ही जिन लोगोंको उच्च रक्तचापकी (हाई ब्लड प्रेशरकी) बहुत अधिक पीडा होती है; उन्हें इसका सेवन अवश्य करना चाहिए । गुडमें 'पोटेशियम' और 'सोडियम' भी सम्मिलित होते

हैं, जो शरीरमें अम्लके (एसिडके) स्तरको सामान्य बनाए रखनेमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि रक्तचापका सामान्य स्तर बना रहे।

हृदय रोगके लिए गुडका लाभ : हृदय रोगसे बचनेके लिए आपको गुडका सेवन करना चाहिए । गुड रक्तमें 'हीमोग्लोबिन'की मात्राको बढानेमें सहायता करता है । यह प्रतिरक्षा प्रणालीको भी बढाता है, विभिन्न प्रकारके रक्त विकारों और रोगोंको रोकनेमें सहायता करता है। गुडका सेवन अच्छा उपचार है, जो आपको हृदयके रोग होनेकी आशंकासे बहुत दूर रखता है।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

राजनाथ सिंहने किया लव जिहादके विरुद्ध विधानका समर्थन, कहा कि विवाहके लिए धर्मान्तरण क्यों ?

उत्तर प्रदेश राज्य शासनद्वारा गठित 'लव जिहाद' विरोधी विधानके समर्थनमें 'एएनआई'को दिए वक्तव्यमें राजनाथ सिंहने कहा कि वे विवाह हेतु धर्मपरिवर्तनका समर्थन नहीं करते । उनसे कहा गया कि इस विधानके कारण लडकियां अपनी इच्छानुसार विवाह नहीं कर सकेंगी, तो उन्होंने कहा कि धर्मान्तरणकी आवश्यकता ही क्यों हो ? मुसलमान किसी भी अन्य धर्ममें विवाह कर सकता है। विवाह हेतु धर्मपरिवर्तनको मैं व्यक्तिगत रूपसे अनुचित समझता हूं । उन्होंने कहा कि अनेक बार दृष्टिगत होता है कि बलपूर्वक धर्मान्तरण करवाया जाता है । अनेक बार प्रलोभन देकर सामूहिक धर्मान्तरण करवाया जाता है । इन बातोंको स्मरणमें रखकर राज्य शासनने 'लव जिहाद'पर विधान गठित किया है।

राजनाथ सिंहने यह भी कहा कि वास्तविक हिन्दू कभी जाति, धर्म अथवा सम्प्रदायके आधारपर भेदभाव नहीं करता। हमारे धर्मिक ग्रन्थ ऐसा करनेको नहीं कहते । भारत ही एकमात्र देश है, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्'का सन्देश दिया है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेशके योगी शासनने 'लव जिहाद'पर कठोर विधान पारित किया है, जिसके अनुसार दूसरे धर्ममें विवाह करने हेतु जनपद अधिकारीको २ माह पूर्व आवेदन देना होगा । बिना अनुमति धर्मपरिवर्तन करनेपर ६ माहसे ३ वर्ष तक कारावास व १०००० रुपये अर्थ दण्ड । विधान विरुद्ध सामूहिक धर्मपरिवर्तनपर १० वर्ष कारावास, ५०००० रुपये तक अर्थ दण्डका प्रावधान किया गया है।

मध्यप्रदेशके शिवराज शासनने भी ऐसे ही विधानका गठन कर लिया है । मुख्यमन्त्री शिवराजसिंहने कहा है कि बलपूर्वक धर्मान्तरण सहन नहीं किया जाएगा।

अनेक वर्षोंसे मौन नेतागण अब धर्मपरिवर्तन व लव जिहादपर बात कर रहे हैं, यह हिन्दुत्वनिष्ठ लोगोंकी विजय है; परन्तु अभी युद्ध अधूरा है । हिन्दू अपना विरोध मुखर होकर करें, व यह महामारी समूल नष्ट हो, इस हेतु प्रयास करते रहें व नेताओंपर दबाव बनाते रहें ! (३१.१२.२०२०)

****

महक मिर्जाने 'फ्री कश्मीर'का फलक लहराया था, मुंबई पुलिसने अभियोग बन्द करनेको कहा

मुंबई पुलिसने अपने आरोपपत्रमें ३९ वर्षीय महक मिर्जा प्रभुके विरुद्ध अभियोग समाप्त करनेकी मांग की है, जिसने 'गेटवे ऑफ इंडिया'पर 'फ्री कश्मीर' लिखा फलक लहराया था । 'जेएनयू'में वामपन्थी छात्रोंने छात्रावासमें घुस-घुसकर

'एबीवीपी'के छात्रोंकी पिटाई की थी; परन्तु देश भरमें इसका विपरित दृष्टिकोण ही प्रसारित किया गया था।
मुंबईमें आयोजित इसी विरोध प्रदर्शनमें महक मिर्जाने 'फ्री कश्मीर' लिखा फलक लहराया था, जबकि जम्मू कश्मीर भारतका अभिन्न अंग है।

'एस्प्लेनेड न्यायालय'में प्रस्तुत की गई रिपोर्टमें मुंबई पुलिसने कहा है कि महक मिर्जाके विरुद्ध लगाए गए आरोप उचित नहीं हैं। सोमवारको पुलिसने ३६ आरोपितोंके विरुद्ध आरोपपत्र प्रविष्ट किया और कहा कि लगाए गए आरोप सही नहीं हैं।
'सामना'के 'एग्जीक्यूटिव सम्पादक' संजय राउतने तब 'फ्री कश्मीर' फलकका बचाव करते हुए कहा था कि जिन्होंने यह फलक थामा था, उनका उद्देश्य कश्मीरमें 'फ्री इंटरनेट', 'फ्री मोबाइल सर्विसेज' और अन्य प्रतिबन्धोंसे है। महाराष्ट्रके मुख्यमन्त्री रहे देवेन्द्र फडणवीसने भी इसके विरोधमें प्रतिक्रिया देने हुए कहा था कि उद्धव ठाकरे अपनी नाकके नीचे 'फ्री कश्मीर' जैसे भारत विरोधी कृत्यको सहन कर रहे हैं।

सत्ताका लोभ मानवको कितना गिरा देता है कि वो अपना विवेक, धर्म, नीतियों एवं अपने पूर्वजोंके संस्कारको बेच डालता है, यह हमने इतिहासमें पढा था; परन्तु उद्धव ठाकरेने हमें प्रत्यक्ष प्रमाण दे दिया कि किस प्रकार हिन्दू संस्कृति व धर्मका पतन हुआ होगा; अतः हिन्दुओ, निद्रासे जागो और संगठित होकर हिन्दू राष्ट्रका निर्माण हो ऐसे प्रयास करने चाहिए तथा ऐसे हिन्दूद्रोहियोंको दण्ड मिले,

इसका भी ध्यान रखना है और इनका दण्ड होगा इन्हें सत्ताहीनकर मार्गपर लाना ! (३१.१२.२०२०)

****

मथुराके राष्ट्र स्वयंसेवक संघके कार्यालयपर जिहादियोंकी उग्र भीडने किया आक्रमण

मथुरामें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघके कार्यालयपर ५० मुसलमानोंने सामूहिक रूपमें आकर कार्यकर्ताओंपर पथराव करना आरम्भ कर दिया । इस आक्रमणमें २ स्वयंसेवक गम्भीर रूपसे चोटिल हो गए। समाचारके अनुसार, कार्यालय परिसरमें निर्माणका कार्य चल रहा है। इसी मध्य स्वयंसेवकोंने एक युवक चांद बाबूको परिसरसे सरिया चोरी करते हुए पकड लिया, जिसके पश्चात उसे पुलिसको सौंप दिया गया। इसी आरोपीने अपने भाई बबलू और पिता मुख्तियार खान सहित अन्य साथियोंके साथ मिलकर संघके कार्यालयमें पहुंच वहां आक्रमण कर दिया। जिहादियोंकी भीडद्वारा किए गए सामूहिक उपद्रवके एक दिवस पश्चात मथुरा पुलिसने उपद्रवियोंकी जांच आरम्भ कर दी, जबकि उत्तर प्रदेश प्रशासनने तुरन्त प्रभाव से २ पुलिसकर्मियोंको निलम्बित कर दिया । प्रतिवेदनके अनुसार, पुलिसने इस प्रकरणके सम्बन्धमें सलमान सहित ४० से ५० व्यक्तियोंके विरुद्ध अभियोग प्रविष्ट किया है। वहीं मुख्य आरोपी चांद बाबू, भाई बबलू और पिता मुख्त्यार खानको बन्दी बनाया गया है । पथरावके समय कार्यालयमें उपस्थित छात्र सेवक सोनू व पवनकों चोटिल हो जानेके पश्चात निकटतम चिकित्सालयमें प्रविष्ट कराया गया । वहीं क्षेत्रीय लोगोंका कहना है कि यदि पुलिस चोरीके प्रकरणमें

कार्यवाही शीघ्र करती तो मंगलवारको यह प्रकरण घटित न होता।

जिहादियोंद्वारा आर्थिक क्षति पहुंचानेके पश्चात ही उनके विरुद्ध कार्यवाही की गई; परन्तु उन्हें यह भी अनुचित लगा एवं उन्होंने आक्रमण बोल दिया; क्योंकि न्याय व्यवस्थाका उन्हें कोई भय नहीं है। अब आनेवाले कालमें ऐसी घटनाएं सर्वत्र न हो, इस हेतु हम सभी हिन्दुओंका सङ्गठित होना अति आवश्यक है।

****

वामपन्थी सङ्गठनोंने विरोध प्रदर्शनमें भाग लेनेके लिए किसानोंको सिख धर्म और गुरु गोविन्द सिंहके नामपर भडकाया

समाचार 'चैनल' 'इण्डिया टीवी'पर प्रसारित एक ब्यौरेमें कहा गया है कि देहलीकी सीमापर चल रहे किसानोंका विरोध एक स्वत: आन्दोलन नहीं, वरन केन्द्र शासनके विरुद्ध वामपन्थी सङ्गठनों द्वारा सावधानीपूर्वक रचा गया षड्यन्त्र है।

अपने 'प्राइम टाइम शो' 'आजकी बात'में वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्माने वामपन्थी झुकाववाले सङ्गठनोंद्वारा किए गए उन अपराधी मानसिकताओं और विस्तृत योजनाओंसे अवगत कराया, जिसमें उन्होंने किसानोंको मोदी शासनके विरुद्ध विरोध प्रदर्शन आरम्भ करनेके लिए भडकाया था।

संगरूरके एक किसान विजेन्द्र सिंहने बताया कि किस प्रकारसे वामपन्थी सङ्गठन विरोध प्रदर्शनोंमें सम्मिलित होनेके लिए अपने गांवोंमें किसानोंको मूर्ख बनाया। उन्होंने कहा कि जब लोगोंने नूतन कृषि विधेयकोंके विषयमें फैलाए गए

असत्यको नहीं स्वीकारा, तो वामपन्थियोंने सिख धर्म और गुरु गोविन्द सिंहका बोलकर उन्हें विरोध प्रदर्शनमें सम्मिलित करनेका प्रयास किया।

यदि कोई राष्ट्रद्रोही आन्दोलनमें भाग लेनेके लिए गुरुओं व धर्मका आश्रय लेता है और सामनेवाले भी भडक जाते हैं, तो समझना चाहिए कि कहीं न कहीं हम धर्मगुरु भी उनकी कुटिल चाल समझ नहीं रहे हैं और साथ ही यह समझना चाहिए कि देशद्रोही जानते हैं कि धर्मगुरुका समर्थन मिलनेपर उनके अनुयायीका स्वतः ही समर्थन प्राप्त होगा। किन्तु सिख बन्धु भी ऐसे षड्यन्त्रोंमें फंसते रहेंगे तो उपद्रवी जिहादियों और हममें भेद ही क्या रह जाएगा ? विचार करें !

****

नेपालमें मार्गोंपर उतरे लोग, चीनकी चाल उलटी पडी तो भारतपर ही लगा दिया 'जासूसी'का आरोप

विश्व भरमें कई देश चीनपर 'हैकिंग'से लेकर 'जासूसी'के आरोप लगाते रहते हैं। 'ग्लोबल टाइम्स'ने भारतपर नेपालकी राजनीतिमें हस्तक्षेपका आरोप लगाया है; परन्तु सत्य यह है कि चीनका एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमण्डल अभी ४ दिवसके प्रवासमें काठमाण्डूमें 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी'के विभिन्न गुटोंको एक करनेमें लगा हुआ है।

ऊपरसे चीन विश्वको मूर्ख बनानेके लिए यह कह रहा है कि 'कम्युनिस्ट पार्टी'के अन्तरराष्ट्रीय विभागके उप-मन्त्री गुओ येझोउके नेतृत्वमें चीनकी जो समूह नेपाल गई है, वो 'कोरोना वायरस'पर चर्चाके लिए पहुंची है।

चीनने नेपालकी सत्ताधारी राजनीतिक पार्टीको राजनीतिक स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा, देशके हित, विकास और सम्पूर्ण परिदृश्यको ध्यानमें रखनेका परामर्श देते हुए आन्तरिक विवादको सुलझानेके लिए कहा है। उधर 'ग्लोबल टाइम्स'ने फूदान विश्वविद्यालयके शिक्षक लिन मिनवांगकी ओरसे कहा है कि नेपालके विवादमें भारतीय हस्तक्षेपसे चीन चिन्तित है।

२६ दिसम्बरको काठमाण्डूमें प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीके संसद भंग किए जानेके निर्णयके विरोधमें लोग मार्गोंपर उतर आए हैं । इनमें अधिकतर लेखक, कवि और कलाकार सम्मिलित थे । लोगोंने देशमें लोकतान्त्रिक प्रक्रियाको बनाए रखनेकी बात करते हुए अपना आक्रोश जताया । ओली और प्रचंड गुटके मध्य सन्धि नहीं हो पा रही है।

इस मध्य भारतके तीन बडे अधिकारियोंने काठमाण्डूका भ्रमण करके द्विपक्षीय हितोंको विवश करनेपर बल दिया । नेपालद्वारा अनुचित मानचित्र प्रसारित किए जानेके पश्चात पिछले कुछ महीनोंमें उसके वर्तनमें बडा परिवर्तन आनेपर भारतके साथ सम्बन्ध पटरीपर आ गए हैं । भारतमें नेपालके राजदूत नीलाम्बर आचार्यने 'टाइम्स ऑफ इंडिया'से कहा कि वहांके विदेश मन्त्री प्रदीप ज्ञवाली शीघ्र नई देहली आएंगे । साथ ही संयुक्त आयोगकी बैठक भी होनी है । जहां नेपालकी राजनीतिमें चीन धूर्तता व निर्लज्जतासे हस्तक्षेप कर रहा है, भारतने अपनी तटस्थतासे नेपालकी जनताको भी प्रसन्न किया है।

भारत यदि हस्तक्षेप कर भी रहा है तो चीनको वेदना क्यों हो रही है ? इसका अनुमान लगाया जा सकता है कि उसका निकृष्ट षड्यन्त्र विफल हो रहा है। चीनको यह भान

होना चाहिए कि भारत और नेपालका सम्बन्ध कोई ओली शासन या मोदी शासनतक सीमित नहीं है, यह वर्षों पुराना है, जो इन दोनों देशोंके नागरिकोंके मध्य है। शासन क्रय किए जा सकते हैं; परन्तु जनभावना नहीं, इन दोनों देशोंको तो नहीं जा नहीं तो कल एक होना ही है।

****

दो दिवससे लुप्त बहनोंको 'दर्जी' मास्टर जफरने बनाया था बन्धक, पटनासे बाहर भेजनेकी थी 'तैयारी'

पटनाके कंकडबाग थानाके चांदमारी मार्गसे २ बच्चियोंके अपहरणका प्रकरण सामने आया है। पुलिसने घटनामें एक 'टेलर मास्टर' जफरको बन्दी बनाया है। आरोप है कि उसने ही दोनों बच्चियोंको अपनी आपणिपर (दुकानपर) बन्धक बना लिया था। उनके विरोध करनेपर आरोपी जफर उनके हाथ-पांव बांधकर उन्हें निर्दयतासे पीटता और चिल्लानेपर दोनोंको बार-बार ठण्डे जलसे नहला देता था।

'मीडिया रिपोर्ट'के अनुसार, कंकडबागकी रहनेवाली दो बच्चियां सोमवार, २८ दिसम्बरकी संध्याको 'टीपीएस कॉलेज'के पाससे लुप्त हो गई थीं, इसके पश्चात इनके परिवारवाले इन्हें ढूंढ रहे थे। इसी मध्य सडकपर आने जानेवाले लोगोंको एक 'टेलर'की दुकानसे कुछ स्वर सुनाई दिए, जिसके पश्चात स्थानीय लोगोंने 'दुकान' खोली तो उसमेंसे दोनों बच्चियोंको प्राप्त किया गया।

बच्चियोंकी ऐसी स्थिति देख आक्रोशित लोगोंने 'दुकानदार' जफरकी जमकर पिटाई कर दी। वहीं ठण्डसे ठिठुरती एक बच्चीकी स्थिति अत्यन्त दयनीय लग रही थी। उसे बार-बार उल्टी हो रही है, लोगोंसे त्वरित आग जलाकर

उन्हें स्वस्थ करनेका प्रयास किया। इसके उपरान्त भी उसका स्वास्थ्य गम्भीर होता जा रहा था। जिसे अच्छे उपचारके लिए चिकित्सालय भेज दिया गया है । इधर, स्थानीय लोगोंकी सूचनापर कंकबाग पुलिस घटनास्थलपर पहुंची और आरोपीको पकडकरके थाना ले गई। पुलिस जफरसे पूछताछ करनेमें जुटी है। जफर चांदमारी 'रोड'का रहनेवाला है।

घटनाके सम्बन्धमें बालिकाने बताया, "दोनों कुछ सामग्री क्रय करनेके लिए चांदमारी 'रोड' आई थीं। इसी मध्य 'टेलर'ने उन्हें बुलाया और कहा कि आवश्यक कार्य है। दोनों उसके पास गईं तो उसके पश्चात उसने 'शटर' बन्द कर दिया। थोडे-थोडे अन्तरालमें 'टेलर' बाहर निकलता; परन्तु 'शटर'को बाहरसे बन्द कर देता था। हम दोनोंके हाथ-पांव बंधे थे। टेलर जफर बार-बार हमें ठण्डे पानीसे नहला रहा था।" बच्चियोंने बताया कि उन्हें भोजन भी नहीं दिया गया।

वहीं घटनाके पश्चात लोगोंका मानना है कि यह मानव तस्करीका प्रकरण है; क्योंकि बच्चियोंके वक्तव्यके अनुसार, जफरने उनका शारीरिक शोषण नहीं किया; परन्तु उसकी उन्हें कहीं बाहर भेजनेकी योजना थी। पुलिस उससे पूछताछ करने में जुटी है। इसके अतिरिक्त उसके चलभाषकी भी जांच की जा रही है।

समस्त विश्वमें मुसलमान सम्प्रदाय स्त्रियों, युवतियोंको भोग व वासनाकी दृष्टिसे देखते हैं। भारतमें न जाने ऐसे कितने जफर होंगे, जो अपहरण और बलात्कारकी घटनाएं करते हैं या बच्चियोंको बाहर इस्लामिक देशमें भेज देते हैं। क्या ऐसे आतङ्की इस देशमें रहने योग्य हैं ?

****

'कैंलेंडर' परिवर्तित करें, संस्कृति नहीं', अंग्रेजी नूतन वर्षके विरोधमें लोगोंने उठाई ये मांग

'ट्विटर'पर 'न्यू ईयर'को पश्चिमकी संस्कृतिका नूतन वर्ष बताकर विरोध आरम्भ हो गया है । उल्लेखनीय है कि 'ट्विटर'पर हिन्दू नव वर्ष और अंग्रेजी नव वर्षकी तुलना की जा रही है । कहा जा रहा है कि पश्चिमकी संस्कृतिके नूतन वर्षमें कुछ नूतन नहीं होता है, वरन हिन्दी मास चैत्र शुक्ल प्रतिपदाको आरम्भ होनेवाले हिन्दू नव वर्षमें बहुत सारी बातें नूतन होती हैं ।

एक 'ट्विटर यूजर'ने 'ट्वीट" किया कि हिन्दू इस तथ्यसे अनभिज्ञ हैं कि वो भौतिकवादी पश्चिमी त्योहारोंको मनाकर स्वयंके संस्कारोंकी उपेक्षा कर रहे हैं और हिन्दू-विरोधी बन रहे हैं ।

वहीं एक दूसरे 'यूजर'ने एक चित्रको ट्वीट किया, जिसमें लिखा है कि पश्चिमी संस्कृतिका नूतन वर्ष मध्यरात्रिमें आरम्भ होता है, जबकि हिन्दू नव वर्ष सूर्योदयसे आरम्भ होता है । अंग्रेजी नववर्षमें वातावरणमें कोई परिवर्तन नहीं होता है, जबकि हिन्दू नव वर्षमें वातावरणमें सकारात्मक परिवर्तन होते हैं । 'न्यू ईयर'का कोई आध्यात्मिक या वैज्ञानिक कारण नहीं है, वहीं हिन्दू नव वर्षके कई वैज्ञानिक कारण हैं । लोगोंका कहना है कि जब हमें अंग्रेजोंसे ७३ वर्ष पूर्व स्वतन्त्रता मिल चुकी है तो उनका नववर्ष हम क्यों मनाएं ?

अत्यधिक प्रसन्नताका विषय है कि जब आजसे कुछ वर्ष पूर्वतक समाज इस विषयमें बात भी नहीं करता था, आज कुछ हिन्दुत्वनिष्ठ संस्थाओंके प्रयासोंसे लोग जानने लगे हैं और मानने लगे हैं । यही तो वह परिवर्तनकी लहर है,

जो हिन्दू राष्ट्र रूपी हरित व सुन्दर द्वीपके तटपर पहुंचाएगी !

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार , त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523 , 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं। इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें। कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. जपमालासे सम्बन्धित तथ्य २ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. शिष्यके गुण, ४ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र, ६ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

ई. नामजप कब, कहां और कितना करें ? ८ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम

दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915